SYLLABUS

LECTURER (SCHOOL EDUCATION)
PAPER – II
DRAWING

भाग I : वरिष्ठ माध्यमिक स्तर

1. कला का ज्ञान और उसका विकास :

- कला और शिल्प पर प्राचीन साहित्य (विशेष रूप से चित्रकला और मूर्तिकला)।
- कला के तत्व और रचना के सिद्धांत।
- कला में त्रि-आयामी और द्वि-आयामी दृष्टिकोण।
- कला में चित्रण और प्रतिपादन।
- लोक कला (विशेष रूप से राजस्थान), फड़, कावड़, कठपुतली कला, टेराकोटा, मांडना।
- चित्रकला का माध्यम और तकनीक।

2. प्रागैतिहासिक से आधुनिक काल तक भारतीय चित्रकला :

- प्रागैतिहासिक कला, बौद्ध, पाल और जैन (अपभ्रंश), मुगल, दक्कन, राजस्थानी, पहाड़ी, कंपनी स्कूल और राजा रवि वर्मा।
- भारतीय पुनर्जागरण- बंगाल स्कूल और उसके कलाकार, यामिनी राय, अमृता शेरगिल।
- आधुनिक युग और कलाकार।

1 कोलकाता समूह।

2 प्रगतिशील कलाकार समूह।

3 शिल्पी चक्र

4 चोल मंडल

भाग II : स्नातक स्तर

1. भारतीय वास्तुकला एवं मूर्तिकला का इतिहास।

- सिंधु घाटी सभ्यता।
- सांची, भरहुत, अमरावती, मथुरा, गांधार, कार्ले, भाजा।
- एलोरा, एलीफेंटा, बादामी, महाबलीपुरम, उदयगिरि, देवगढ़।
- कोणार्क, खजुराहो, मीनाक्षी मंदिर।

2. राजस्थान के मंदिरः- हर्षनाथ (सीकर), किराडू (बाड़मेर), ओसियां (जोधपुर), बडोली (कोटा), दिलवाड़ा (माउंट आबू, सिरोही), रणकपुर (पाली), जगत (उदयपुर), आभानेरी (दौसा)।

3. भारत के प्रमुख कलाकार :- के.के. हेब्बार, एन.एस. बेंद्रे, जे.स्वामीनाथन, के.जी. सुब्रमण्यम, अकबर पद्मसी, गणेश पायने, तैयब मेहता, जोगेन चौधरी, जी.आर. संतोष, रामेश्वर ब्रूटा, विवान सुंदरम, अनुपम सूद, सोमनाथ होरे, भूपेन खाखर।

4. भारत के प्रमुख मूर्तिकारः- देवी प्रसाद राय चौधरी, शंको चौधरी, धनराज भगत, राम किंकर बैज, चिंतामणि कार्ल, मृणालिनी मुखर्जी, गोपी चंद मिश्रा, उषा रानी हूजा, अर्जुन प्रजापति।

5. राजस्थान के प्रमुख कलाकारः- रामगोपाल विजयवर्गीय, भवानी चरण गुई, भूर सिंह शेखावत, गोवर्धनलाल जोशी, देवकीनंदन शर्मा, कृपाल सिंह शेखावत, परमानंद चोयल, द्वारका प्रसाद शर्मा, सुरेश शर्मा, राम जयसवाल, ज्योति स्वरूप।

भाग III स्नातकोत्तर स्तर

1. भारतीय सौंदर्यशास्त्र - रस सिद्धांत (भरत मुनि से अभिनव गुप्त तक)।

2. पश्चिमी कला - बीजान्टिन, गोथिक (गियट्टो), उच्च पुनर्जागरण - लियोनार्डो-दा-विंची, माइकल एंजेलो, सैन्ज़ियो राफेल।

3. पश्चिमी आधुनिक कला - प्रभाववाद (एडौर्ड मानेट, क्लाउड मोनेट, एडगर डेगास), उत्तर प्रभाववाद (विन्सेन्ट वान गॉग, पॉल गाउगिन, पॉल सेज़ेन), फाउविज्म (हेनरी मैटिस), क्यूबिज्म (पाब्लो पिकासो, जॉर्ज ब्रेक), अभिव्यक्तिवाद (एडवर्ड मंच, वासिली, कंडांस्की), दादिज्म और अतियथार्थवाद (मार्शल डुचैम्प, साल्वाडोर डाली), अमूर्त अभिव्यक्तिवाद (पॉल क्ली, जोन मिरो, जैक्सन पोलक)।

भाग- IV (शिक्षाशास्त्र, शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग)

I. शिक्षाशास्त्र और शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर शिक्षार्थियों के लिए निर्देशात्मक रणनीतियाँ)

- संचार कौशल और उसका उपयोग।
- शिक्षण मॉडल- उन्नत आयोजक, अवधारणा प्राप्ति, सूचना प्रसंस्करण, पूछताछ प्रशिक्षण।
- शिक्षण के दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी और उपयोग।
- सहकारी अधिगम।

II. शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

- आईसीटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की अवधारणा।
- सिस्टम दृष्टिकोण।
- कंप्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम, कंप्यूटर सहायता प्राप्त निर्देश